वर्ष 1 - अंक 71
सोमवार 10 फरवरी 2025- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

अमेरिका से

104 भारतीय नागरिकों को निर्वासित कर भारत भेजा गया

हाल ही में अमेरिका से 104 भारतीय नागरिकों को निर्वासित कर भारत भेजा गया, जिसमें उन्हें हथकड़ियों और बेड़ियों में जकड़ा गया था। इस अमानवीय व्यवहार ने न केवल मानवीय संवेदनाओं को झकझोरा है, बल्कि भारत-अमेरिका संबंधों पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।

अमेरिका का दोहरा मापदंड

मानवाधिकार के मुद्दों पर दुनिया भर में अन्य देशों की आलोचना करने वाला अमेरिका, स्वयं अपने आचरण में किस प्रकार की संवेदनहीनता प्रदर्शित कर रहा है, यह घटना उसका स्पष्ट उदाहरण है। अवैध प्रवासियों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार करना, उन्हें हथकड़ियों और बेड़ियों में बांधकर भेजना, न केवल अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि यह नैतिकता के भी खिलाफ है।

भारत की प्रतिक्रिया

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद में बताया कि 2009 से अब तक 15,756 भारतीयों को अमेरिका से निर्वासित किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध तरीके से किसी देश में प्रवेश करना उचित नहीं है और प्रत्येक देश का अधिकार है कि वह अपने कानूनों का पालन करे। हालांकि, उन्होंने निर्वासन की प्रक्रिया में मानवीय व्यवहार की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया

कांग्रेस पार्टी ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव और अन्य नेताओं ने संसद के मुख्य द्वार के बाहर हाथों में हथकड़ी पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी अधिकारियों ने भारतीय नागरिकों के साथ अमानवीय व्यवहार किया है। सांसदों के हाथों में "मानव, ना कि कैदी" वाले पोस्टर थे। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सवाल उठाया, "काफी बातें की गई थीं कि राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी बहुत अच्छे दोस्त हैं। तो पीएम मोदी ने ऐसा क्यों होने दिया? क्या हम अपना विमान नहीं भेज सकते थे उन्हें वापस लाने के लिए?"

निष्कर्ष

अमेरिका द्वारा भारतीय नागरिकों के साथ किया गया यह अमानवीय व्यवहार निंदनीय है। भारत सरकार को इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए अमेरिकी प्रशासन से कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं न हों। साथ ही, अवैध प्रवास को रोकने के लिए देश में जागरूकता बढ़ाने और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि हमारे नागरिक बेहतर भविष्य की तलाश में इस प्रकार के खतरनाक मार्गों का चयन न करें। इस घटना ने न केवल मानवीय संवेदनाओं को झकझोरा है, बल्कि भारत-अमेरिका संबंधों पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं। आवश्यक है कि दोनों देश मिलकर इस मुद्दे का समाधान निकालें और भविष्य में ऐसे घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अमेरिका से निर्वासित भारतीयों के साथ हुए दुर्व्यवहार पर कांग्रेस का देशव्यापी प्रदर्शनः अमेरिका से डिपोर्ट हुए भारतीयों के साथ बदसलूकी पर Congress का पूरे देश में प्रदर्शन

प्रयागराज

अद्भुत एवं अद्वितीय

सांझ की सुनहरी आभा में गंगा-यमुना के संगम पर अनगिनत दीपों की रोशनी और आकाश में उड़ते हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा का यह दृश्य, प्रयागराज की महिमा और आध्यात्मिकता को प्रदर्शित करता है। इस दृश्य में आस्था , संस्कृति और दिव्यता का संगम है। प्रयागराज हमेशा से अपनी अद्वितीयता और अद्भुतता के लिए प्रसिद्ध रहा है, और यह नजारा इसकी झलक मात्र है।

गोदाघाट, नाशिक में भव्य आत्मसाक्षात्कार कार्यक्रम संपन्न

नाशिक के पवित्र गोदाघाट पर श्री माताजी की परम कृपा से एक अतिशय सुंदर और दिव्य आत्मसाक्षात्कार कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और आत्मसाक्षात्कार का दिव्य अनुभव प्राप्त किया।

श्री माताजी की कृपा से और उनके सहज योग साधना के मार्गदर्शन में कई लोगों ने अपने भीतर शांति, आनंद और आत्मशुद्धि का अनुभव किया। इस दिव्य आयोजन में शामिल सभी साधकों को हार्दिक बधाई! इस पावन क्षण के बाद, श्रद्धालुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार इतनी गहरी शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया। श्री माताजी की अपार कृपा से नाशिक में यह अद्भुत कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिससे कई लोग सहजयोग के मार्ग पर अग्रसर हुए।

पिछोर में जनसुनवाई के दौरान आवेदनों को कचरे में डालने की खबर हुई प्रसारित

शरारती तत्वों के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश।

लापरवाही करने वाले 5 कर्मचारियों को किया निलंबित

रणजीत टाइम्स (जगदीश पाल)

शिवपुरी और पिछोर में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जनसमस्या निवारण शिविर में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी शामिल हुए। उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनी और उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए की आवेदनों को सूचीबद्ध तरीके से सुरक्षित रखा जाए एवं आवेदकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए।

पिछोर में भी शिविर में उन्होंने आवेदकों की समस्याएं सुनी। इस दौरान पिछोर में एक मामला सामने आया जिसमें बताया गया कि आवेदकों के द्वारा दिए गए आवेदनों को कचरे में डाला गया है। इस मामले में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने भी मामले की जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिए। पंजीयन काउंटर पर जिन कर्मचारियों द्वारा आवेदन पत्रों का पंजीयन किया जा रहा था, उनके द्वारा पंजीयन के साथ ही आवेदन की फोटोकॉपी करके एक प्रति अपने पास रिकॉर्ड में रखी गई थी। कुछ शरारती तत्वों द्वारा बाद में पंजीयन काउंटर पर रखे स्कैन और फोटो कॉपी आवेदन को कर्मचारियों से छीनकर एक महिला के हाथों भेज दिए गए थे और यह भ्रम फैला दिया कि कर्मचारियों ने आवेदनों को कचरे में डाल दिया है। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने कहा है कि शरारती तत्वों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। इस मामले में पंजीयन काउंटर पर ड्यूटी पर लगे 5 कर्मचारियों पर भी लापरवाही करने पर कार्यवाही की गई है। जिसमें पटवारी दीपक शर्मा,पटवारी दीपक दांगी, प्रतीक पाराशर, सहायक ग्रेड 3 प्रमोद वर्मा, सहायक ग्रेड 3 प्रशांत शर्मा को निलंबित किया गया है। इसके अतिरिक्त पंजीयन काउंटर पर शिक्षकों की भी ड्यूटी लगाई गई थी। उनके विरुद्ध भी कार्यवाही के लिए एसडीएम द्वारा प्रस्ताव भेजा गया है।

शिवपुरी पुलिस का

"सेफ क्लिक"

साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान जारी

अभियान के नौवें दिन पुलिस व्दारा ग्रामों, वस्तियों में पोस्टर, बेनर लगाकर जनसंवाद कर आमजन को सायबर फ्रॉड / अपराधों के बारे में जागरूक किया।

रणजीत टाइम्स (जगदीश पाल)

पुलिस महानिदेशक मध्य प्रदेश द्वारा समाज में साइबर अपराधों की रोकथाम और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से साइबर सुरक्षा जन जागरूकता अभियान "सेफ क्लिक" दिनांक 01.02.2025 से 11.02.2025 तक चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ व्दारा जिले के समस्त अनुभागीय अधिकारियों एवं थाना प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में वृहद स्तर पर स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक स्थान आदि में आमजन को साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूक कार्यक्रम करने हेतु निर्देशित किया गया है पुलिस व्दारा थाना पिछोर में ग्राम वीरपुर के ग्रामवासियों को साइबर जागरूकता कार्यक्रम चलाकर आमजन को साइबर फ्रॉड/अपराधों के प्रति जागरूक किया, पुलिस द्वारा आमजन को साइबर धोखाधड़ी, हैकिंग और अन्य ऑनलाइन गेमिंग खतरों, से अवगत कराया साथ ही बताया की कैसे साइबर अपराध तेजी से बढ़ते जा रहे हैं और लोग इनके शिकार होते जा रहे हैं उन्होंने छात्रों को साइबर सुरक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए जैसे की मजबूत पासवर्ड बनाना, अज्ञात लिंक पर क्लिक न करना, व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन सजा न करना आदि। वर्तमान में सामने आ रहे नए फ्रॉड़ों जैसे डिजिटल अरेस्ट, आदि को भी विस्तार से समझाया। साथ ही यदि किसी व्यक्ति के साथ सायबर अपराध हो जाए तो घबराए नही बल्कि नेशनल सायबर हेल्पलाईन 1930 पर कॉल कर शिकायत करें । क्या करना चाहिए। विश्वसनीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का ही उपयोग करना चाहिए। टू स्टेप वेरीफिकेशन/ ऑथेंटिकेशन चालू रखना चाहिए। सोशल मीडिया पर प्राइवेसी सेटिंग के माध्यम से अपनी निजी जानकारियां छुपा कर रखना चाहिए। ऑनलाइन शॉपिंग के लिए मान्यता प्राप्त ई-कॉमर्स वेबसाइट/एप्स का ही प्रयोग करना चाहिए।

क्या नहीं करना चाहिए

अनजान नंबरों से आए वीडियो कॉल को रिसीव नहीं करना चाहिए।
किसी भी अनजान नंबर से आई लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए।
किसी भी व्यक्ति के कहने पर कोई एप्लीकेशन जैसे एनीडेस्क, टीमव्यूअर, क्विक सपोर्ट आदि अपने मोबाइल में इंस्टॉल नहीं करनी चाहिए। ऑनलाइन चैटिंग पर आपत्तिजनक/ अंतरंग वीडियो/ फोटो आदि सांझ नहीं करना चाहिए। साइबर फ्रॉड हो जाने पर क्या करना है साइबर फ्रॉड होने पर सबसे पहले हमें 1930 पर कॉल करके अपने साथ घटित हुए साइबर अपराध के संबंध में सूचित करना चाहिए तत्पश्चात नजदीकी पुलिस स्टेशन अथवा साइबर सेल से संपर्क करना चाहिए ।

अखिल भारतीय विराट दंगल प्रतियोगिता में नामी पहलवान ने दिखाये दांव

पिछोर(शिवपुरी) पिछोर के स्थानीय शासकीय छत्रसाल स्टेडियम में क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह लोधी के आयोजन एवं नेतृत्व में अखिल भारतीय विराट दंगल विधायक कप एक दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार 8 फरवरी को किया गया दंगल प्रतियोगिता में दिल्ली, पंजाब, ग्वालियर हरियाणा झांसी बबीना मथुरा कश्मीर भोपाल आदि के पहलवानो ने कुश्ती में दो दो हाथ जमाये इस मौके पर कई राष्ट्रीय स्तर के दंगली पहलवान भी पहुंचे दंगल का संचालन स्वयं विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने किया इस दंगल प्रतियोगिता में देर शाम क्षेत्रीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी पहुंचे विराट दंगल प्रतियोगिता फाइनल कुश्ती के रूप में 111000 पुरस्कार के रूप में रखा गया दंगल में बच्चे और नामी पहलवानों ने अपने जोड़ के पहलवान से हाथ मिलाकर कुश्ती लड़ी फाइनल कुश्ती हरियाणा के रोहित झांझर पहलवान ने पंजाब के पहलवान संदीप को पछाड़कर जीती पुरस्कार के रूप में विजेता को 111000 रू राशि से पुरस्कृत किया गया इस मौके पर विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने कहा कि पिछोर के छत्रसाल स्टेडियम में प्रतिवर्ष बढ़ते रूप में दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अच्छे पहलवानों को तैयार करने के दिशा में भी कार्य किया जाएगा!

जिस प्रकार दांतों की देखभाल से ही रखा जा सकता है उन्हें मजबूत व स्वस्थ..... उसी प्रकार सतर्क व जागरूक रहकर ही किये जा सकते है सायबर क्रिमिनल्स के हौसलें पस्त..

राऊ डेंटल कॉलेज के डेन्टिस्टों ने भी ज्वॉइन करी इंदौर पुलिस की सायबर अवेयरनेस की क्लास

इंदौर। सायबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से, मध्यप्रदेश पुलिस के "सेफ क्लिक" जनसंवाद अभियान के परिपेक्ष्य में आज 09.02.25 अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर श्री राजेश दंडोतिया टीम के साथ डेंटल कॉलेज राऊ इंदौर में पहुँचे। डेंटिस्टों के लिए आयोजित उक्त कार्यक्रम में पुलिस टीम ने सायबर जागरूकता की कार्यशाला लगाकर, करीब 400 डॉक्टर्स व स्टाफ को वर्तमान समय के विभिन्न सायबर फ्रॉड के तरीकों व उनसे बचने के लिए ध्यान रखने वाली सावधानियां बताई और कोई फ्रॉड होने पर सायबर हेल्पलाइन 1930, पोर्टल www.cybercrime.gov.in और इंदौर पुलिस की हेल्पलाइन 7049124445 पर शिकायत करने की कार्यप्रणाली समझाई। टीम ने सभी को पम्पलेट्स भी वितरित कर सायबर जागरूक बनने तथा औरों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

क्या आप भी बनना चाहते हैं
जनता की आवाज ?
तो जुड़िए रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के साथ
और बनिए जनता की सशक्त आवाज
आपकी खबर, आपकी ताकत!
जुड़ने के लिए अभी संपर्क करें
9827068888, 8224951278
आपका रणजीत टाइम्स
जनताकीआवाज

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आजीवन सहयोग निधि के लक्ष्य को पूरा करना प्राथमिकता- सुमित मिश्रा

आदित्य शर्मा, 8224951278

सहसंपादक रणजीत टाइम्स

इंदौर।भारतीय जनता पार्टी की कामकाजी बैठक जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में आजीवन सहयोग निधि, अटल शताब्दी पर्व, मन की बात सहित आदि अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई व प्रदेश संगठन के प्राप्त दिशा निर्देशुनासर सभी कार्यो को समयावधि में पूर्ण करने लक्ष्य रखा गया। अतिथियों द्वारा भारत माता, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय व डॉक्टर श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया गया।

नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि 11 फरवरी, मंगलवार को पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर

आजीवन सहयोग निधि का अभियान पूरे नगर भर में व्यापक रूप से चलाया जाएगा, इस दौरान बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं से सम्पर्क किया जाएगा तथा प्रदेश संगठन से प्राप्त लक्ष्य को शुरुआती दिनों में हम सभी को मिलकर पूरा करना है 11 फरवरी को लाभ मंडपम में समर्पण निधि को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया है जिसमें प्रदेश प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह जी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे साथ ही 12 फरवरी को संत शिरोमणि श्री रविदास जयंती पर बड़ा कार्यक्रम नगर भाजपा द्वारा किया जाएगा।

संभाग प्रभारी श्री राघवेंद्र गौतम ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो छोटे से छोटे कार्यकर्ताओ के आर्थिक सहयोग से चलती है। कार्यकर्ताओ द्वारा दिया गया समपर्ण कार्यकर्ताओ में अनुशासन लाता है जो पार्टी में निस्वार्थ रुप से कार्य करता है साथ ही श्री गौतम ने बताया कि 23 फरवरी को मन की बात कार्यक्रम प्रत्येक बूथ पर सुना जाना है जिसको लेकर योजना बनाकर बूथ पर निवासरत सभी कार्यकर्ताओं को सूचना पहुंच जाए। इस अवसर पर नगर प्रभारी श्री तेज बहादुर सिंह चौहान जी ने भी संबोधित किया। आजीवंत सहयोग निधि को लेकर महापौर से पुष्यमित्र भार्गव को नगर प्रभारी एवं श्री जवाहर मंगवानी एवं श्री पराग लोंढे को सह प्रभारी बनाया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता श्री कृष्ण मुरारी मोघे, श्री प्रताप करोसिया,श्री रघुवीर पटेल, श्री गोपीकृष्ण नेमा, श्री कैलाश शर्मा, श्री सुदर्शन गुप्ता, श्री अंजू मखीजा, श्री जवाहर मंगवानी, श्री आलोक डावर, श्री सुधीर कोलहे,श्री मति सविता अखंड सहित जिला पदाधिकारीगण, सभी मण्डलो के अध्यक्ष, मोर्चो के जिला अध्यक्ष सहित आपेक्षित श्रेणी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सहज योग से अनुभूतित चैतन्य लहरी प्रेम और सौंदर्य से परिपूर्ण होता है

रणजीत टाइम्स

सहज योग में साधक जब ध्यान साधना करते हैं तो ईश्वरीय प्रेम और सौंदर्य की अनुभूति उन्हें चैतन्य लहरी के माध्यम से प्राप्त होती है। साधक के हथेलियों व तालु भाग में एक शीतल लहर प्रवाहित होती है, जिसे लिए आदि शंकराचार्य ने 'सलीलम् सलीलम्' कहा है।

चैतन्य लहरी की अनुभूति प्राप्त करने के लिए आत्मसाक्षात्कार पाने की शुद्ध इच्छा होनी चाहिए, बस यही शर्त है। चैतन्य लहरी ईश्वर का आशीर्वाद है, ईश्वरीय आयुध है जो हमारी चारों ओर से रक्षा करता है व हमें संरक्षण देता है।

चैतन्य लहरियां जब प्रवाहित होती है तब हम इसे अपनी हथेली पर महसूस करते हैं। यह चैतन्य ललिता शक्ति है जो प्रेम व सौंदर्य से परिपूर्ण है। जब यह प्रेम की शक्ति जागृत होती है, तब यह हमें चारों ओर से घेर लेती है। इस शक्ति का क्रियाशील होना हमें हर प्रकार की चिंता से मुक्त कर देता है। हमें आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है, वह भी इसी शक्ति के कारण है।

चैतन्य लहरियों का हमारे हथेलियों पर प्रवाहित होने को लेकर हममें कोई संशय नहीं होना चाहिए। यही चैतन्य लहरी पंचतत्वों भी प्रवाहित होती है। सभी पंचतत्व चैतन्यित होकर ही कार्य कर रहे हैं और सदैव करते रहेंगे। पंचतत्वों वाली यही एकाकारिता हमें भी प्राप्त करनी है, बिना किसी संशय के। इसी शक्ति से एक ओर हम निरासक्त होते हैं और दूसरी ओर अन्य लोगों को अपनी मधुरता से प्रभावित करते हैं। इसी शक्ति से हमारी वाणी में सुमधुरता आती है, और हमारा व्यवहार सुंदर और आकर्षक बनता है। सहज योगी इसी शक्ति से अभिभूत अपने सारे विचारों और चिंताओं को इस शक्ति पर छोड़ देते हैं, और विचारहीन हो जाते हैं। इसी प्रेम व सौंदर्य का रसास्वादन हमारी आनंद का कारण बनता है। इसी आनंद के कारण हम अपने आसपास प्रेम का प्रकाश फैलाने में समर्थ हो पाते हैं। सहज योग में आने के बाद हम अनुभव कर पाते हैं कि हमारे अंदर आनंद की सौंदर्यपूर्ण गंगा बह रही है, यह आनंद हर आनंद से परे है। हमें दूसरों की बुराई और नकारात्मकता दिखाई नहीं देती सिर्फ और सिर्फ सौंदर्य और प्रेम ही दिखता है।

इस अद्भुत और सौंदर्यपूर्ण सहज योग से जुड़ने के लिए हम आपको आमंत्रित करते हैं। अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय

संगीत, भक्ति और कला के संरक्षक

रणजीत टाइम्स

परिचयः इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय, जिन्हें बीजापुर का आदिलशाही शासक कहा जाता है, केवल एक कुशल प्रशासक ही नहीं, बल्कि एक महान कवि, संगीतकार और धर्मनिरपेक्ष विचारधारा के प्रतीक भी थे। उनका शासनकाल (1580-1627) एक ऐसा युग था, जिसमें कला, संस्कृति, और साहित्य का भरपूर विकास हुआ। उनकी भक्ति, कविताएँ और भजन आज भी उनकी गहरी आध्यात्मिकता और प्रेमपूर्ण दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

कला,संगीत प्रेमी शासकः

इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय को "संगीत का संरक्षक" कहा जाता है। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध रचना "गीत-ए-नवरस" में संगीत, कला और भक्ति का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत किया। इस पुस्तक में उन्होंने देवी सरस्वती को समर्पित कई कविताएँ लिखी, जिनमें संगीत को ईश्वर तक पहुंचने का माध्यम बताया गया। उनका यह लेखन न केवल साहित्यिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह उनकी कला और आध्यात्मिकता के प्रति उनकी निष्ठा को भी दर्शाता है।

उनकी रचना का एक अंश

"संगीत सरस्वती, मेरी आत्मा का आधार, तुम्हारे सुरों से ही होता सृष्टि का विस्तार।"

भक्ति और धर्मनिरपेक्षताः

इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय की रचनाओं में हिंदू और इस्लामिक परंपराओं का अनोखा मेल दिखाई देता है।

1. कृष्ण भक्तिः

उन्होंने भगवान कृष्ण की महिमा में कई कविताएँ और भजन लिखे। उनकी रचनाएँ राधा-कृष्ण के प्रेम और गोपियों के साथ कृष्ण के लीलाओं का वर्णन करती हैं।

"हे कृष्ण, तुम्हारे चरणों की धूल,
मेरे जीवन को बनाए अनमोल।"

2. शिव भक्तिः

शिव की शक्ति और नृत्य को समर्पित उनकी कविताएँ उनकी गहरी भक्ति को प्रकट करती हैं। "नटराज के नृत्य से सृष्टि का संचार, हे शिव, तुम्हारी शक्ति अपरम्पार।"

उनकी कविताओं और भजनों से यह स्पष्ट होता है कि वह सर्वधर्म समभाव को मानने वाले शासक थे।

गीत-ए-नवरसः

उनकी सबसे प्रसिद्ध कृति "गीत-ए-नवरस" है। यह एक ऐसी पुस्तक है जो संगीत, भक्ति और प्रेम का संगम है। इसमें उन्होंने न केवल ईश्वर की आराधना की, बल्कि मनुष्य के अंदर छुपे प्रेम और करुणा को भी महत्व दिया। यह रचना कला, साहित्य, और संगीत के प्रेमियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है।

धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक

इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय एक ऐसे शासक थे, जिन्होंने हमेशा हिंदू और मुस्लिम समुदायों को एकजुट रखने का प्रयास किया। उनके भजनों और कविताओं में यह भावना साफ झलकती है।

उनकी रचनाओं का महत्व

उनकी कविताएँ और भजन भक्ति, प्रेम और आध्यात्मिकता का प्रतीक हैं उनकी रचनाओं से संगीत और कला के प्रति उनका असीम प्रेम झलकता है। वह एक धर्मनिरपेक्ष शासक थे, जिन्होंने सभी धर्मों के प्रति समान आदर का भाव रखा।

निष्कर्ष

इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय केवल एक शासक नहीं, बल्कि कला, भक्ति और धर्मनिरपेक्षता के प्रतीक थे। उनकी कविताएँ और भजन आज भी हमें यह सिखाते हैं कि प्रेम, संगीत और भक्ति ही मानवता के मूल स्तंभ हैं। उनका जीवन और रचनाएँ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी।

"इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय एक ऐसा नाम है, जिसने इतिहास में कला, भक्ति और प्रेम का अद्भुत संदेश छोड़ा।"